इंद्रधनुष होते माँ की प्यार....

वह एक इंद्रधनुष था।
बारिष की बात देखने
की तरह एक सादारण
इंद्रधनुष नहीं है वह।
और सादारण इंद्रधनुष के
तरह सात रंग नहीं था उसको,
एक रंग भी था और इस रंग
प्यार की परिशुद्ध रंग भी था।
वह इंद्रधनुष मेरी जीवन
को सब भी था। और
मेरी जीवन उसकी आस्रय
में रहता था।
वह मुझको बहुत प्यार करता
था। तो सुबह से शाम तक
वह मेरी पीछे रहता था।
और मैंने सदा देखता था।

वह सदा मेरी काम को
सहायता करता था और
वह मैंने देखने को
सदा चाहता था।

दो नदीयों को बीच रहते
एक पुल की समान वह
मेरी जीवन में रहता था।
और मैंने सही सड़क देखता।

दृश्य है वह इंद्रधनुष
मेरी जीवन को पहली
से और वह साथ रहने
को मैं चाहता था।

सूरज के प्रकाश को अधिक
तीव्र और चाँद की रंग को
अधिक सुंदर है वह
इंद्रधनुष की प्रकाश।

परंतु उसकी नीर्व प्रकाश
मेरी आँखों को कई कष्टता
होता। और इसको देखने
की समय मेरी आखों भरी थी।

मेरी जीवन में आते सभी
कष्टताओं को वह परिहार
करता था और इसको भविषत
वह सहता था।

बच्ची होते मेरी हाथों को
वह एक खिलौने की समान
चलता था और इधर से उधर
और उधर से इधर वह रहता था।

पहली से दृश्य होते वह
धीरे - धीरे मेरी आखों को
अप्रत्यक्ष होने को
आरंभ करता।

मेरी और वह इंद्रधनुष की
बीच एक बैर भी था।
और लेकिन काल की बदलती
में वह टूटता था।
जैसे काल की बदलती में मेरी
मन भी बदलता और इंद्रधनुष
को देखने की चाहते मेरी
मन भी बदलता था।
पहली से इंद्रधनुष को सदा
देखने की चाहता मैं उस
समय उसकी देखने को
नहीं प्यार करता था।
परंतु वह मेरी सात आंखों
को चाहता था और इसको
कोशिश करता था। लेकिन
मैं उसकी पास में
दौड़ता था।

मेरी याद में हँसने वह
जब मेरी याद में
रोता था और बहुत
निराश होता था।

परंतु मैं उसकी आंख में
गिरते बूँदें को नहीं देखने
की समान चलता था और
उसकी पास में दूर चलने
की कोशिश करता था।

जैसे मेरी अगली करते
प्रवर्ती में मन दुःखी
होती वह दूर से चला।
तो मैं अब खुश होता।

जैसे वह सीमा टूटने को
मैं ~~काम~~ काल की बदलाती की
हाथों में एक खिलौने
की तरह चलता था।

जैसे कई काल की बाद
और कई बारिश के बाद मैं
उस इंद्रधनुष को देखने की
चाहता था। परंतु मैं नहीं देखा।

परंतु मैं ने समझा है की
उस इंद्रधनुष की वियोग
और मैं बहुत दुःखी होता।

और मैंने समझा है की
इस इंद्रधनुष की वासतव
वह मेरी माँ है और मेरी
माँ की प्यार है।

काल की बदलती से मैं मेरी
माँ की प्यार को उपेक्षित
करता। और उसकी याद अब
मेरी मन में एक हताशा
से समान रहता था।

परंतु मेरी माँ मेरी पास
में अधिक दूर में है, तो
मेरी माँ की प्यार मेरी
मन में एक ~~ओस~~ छोया
सपना की तरह रहता था।
लेकिन मेरी माँ अभी भी
एक इंद्रधनुष है एक
सुंदर इंद्रधनुष, वह
मेरी मन में ~~कहीं~~ गायब
नहीं होता।
और इस नहीं गायब होते
इंद्रधनुष मेरी जीवन में
सदा मेरी मन में रहता
और जीवन को सही सड़क
देखता था।